

**बहुकम** क्रि.वि. (फा.+अर.) 1. हुकम से, आज्ञा से  
2. आदेशानुसार।

**बहुगुण** वि. (तत्.) 1. बहुत गुणों वाला जैसे- बहुगुण  
रसायन 2. अनेक अंगों, भागों, शाखाओं वाला  
3. बहुत से सूतों तथा धागों वाला।

**बहुगुणा** पुं. (तत्.) घरों, होटलों आदि में प्रयोग किया  
जाने वाला किसी धातु का बना चौड़े मुँह का  
एक गहरा बर्तन, भगोना।

**बहुगुना** पुं. (तद्.) बटलोई, कड़ाही आदि के काम  
आने वाला खुले मुँह के डिब्बे के आकार का  
पीतल का एक विशेष बरतन।

**बहुग्रंथी** वि. (तत्.) 1. बहुत-ग्रंथों वाला जैसे- बहुग्रंथी  
पुस्तकालय 2. जिसके पास अनेक प्रकार के ग्रंथ  
हों।

**बहुग्रथि** पुं. (तत्.) 1. बहुत- सी सीकों से जुड़ी  
वस्तु झाड़ू लगाने के लिए बना झाड़ू 2. झाऊ  
का पौधा।

**बहुज्ञ** वि. (तत्.) 1. अनेक विषयों को जानने वाला  
2. विविध प्रकार का शास्त्रीय ज्ञान रखने वाला  
3. विद्वान, पंडित, बड़ा जानकार विलो. अल्पज्ञ।

**बहुज्ञता** स्त्री. (तत्.) 1. अनेक प्रकार के विषयों  
की जानकारी होने का भाव या स्थिति 2. अच्छी  
जानकारी।

**बहुटा** पुं. (तत्.) 1. बाजू, हाथ 2. बाजूबंद।

**बहुत** वि. (तद्.) 1. जो संख्या या मात्रा में अधिक  
हो, प्रचुर जैसे- बहुत लोग, बहुत भोजन 2. जो  
गिनती में सामान्य से अधिक हो जैसे- उस  
उत्सव में बहुत से लोग थे 3. क्रि.वि. अधिक  
मात्रा या परिमाण में उदा. तुम बहुत खेलते हो।

**बहुतक** वि. (तद्.) बहुत से, बहुतेरे।

**बहुताई** स्त्री. (तद्.) बहुत संख्या में होने का भाव,  
अधिकता, ज्यादाती, बहुतायत।

**बहुतायत** स्त्री. (तद्.) अधिकता, ज्यादाती।

**बहुतेरा** वि. (तद्.) बहुत अधिक, यथेष्ट, बहुत सा  
क्रि.वि. बहुत प्रकार से।

**बहुतेरे** वि. (तद्.) 1. संख्या में ज्यादा, अधिक 2.  
बहुत से, अनेक, तमाम।

**बहुत्व** पुं. (तत्.) 1. बहुतायत 2. किसी की अधिकता  
जैसे- उनके यहाँ प्रीतिभोज में फलों का बहुत्व  
था।

**बहुदर्शिता** स्त्री. (तत्.) 1. अत्यधिक सांसारिक ज्ञान  
या दार्शनिक ज्ञान की अनुभवशीलता 2. बहुदर्शी  
होने की अवस्था या भाव।

**बहुदर्शी** पुं. (तत्.) जिसने बहुत कुछ देखा हो या  
किसी तथ्य को समझकर बहुत कुछ बताने  
वाला, बहुत जानकार।

**बहुदलीय** वि. (तत्.) राज. 1. बहुत दलों वाला 2.  
किसी देश की वहराजनैतिक व्यवस्था या स्थिति  
जिसमें बहुदलीय (अनेक दलों वाली) शासन  
प्रणाली का विधान हो।

**बहुदायी** वि. (तत्.) बहुत कुछ देने की प्रवृत्ति  
वाला, अत्यंत उदार।

**बहुदुग्धा** स्त्री. (तत्.) बहुत अधिक मात्रा में दूध  
देने वाली गाय उदा. उनके यहाँ कई बहुदुग्धा  
गायें हैं।

**बहुदेववाद** पुं. (तत्.) धार्मिक विश्वास की दृष्टि से  
एक ईश्वर के स्थान पर अपनी अपनी रुचि के  
अनुकूल विविध देवी-देवताओं के प्रति श्रद्धा होना  
और उनकी उपासना करना।

**बहुद्भव** पुं. (तद्.) अनेक-पूर्वजता, अनेकमूलकता,  
मनुष्य जाति तथा अन्य प्राणियों का आरंभ से  
ही अनेक पूर्वजों (दंपतियों) या विभिन्न  
जीवाणुओं से उत्पन्न होना, बहुद्भव।

**बहुधंधी** वि. (तद्.) 1. अनेक प्रकार के व्यवसाय या  
कार्य करने वाला 2. बहुत से उद्योग-धंधों की  
व्यवस्थामें कुशल 3. विविध प्रकार के सांसारिक  
प्रपंचों में लगा हुआ।

**बहुधा** क्रि.वि. (तत्.) 1. बहुत प्रकार से 2. विविध  
रीतियों या ढंगों से 3. अधिकतर, प्रायः अक्सर,  
उदा. छोटे बच्चे बहुधा खेलने में अधिक रुचि  
रखते हैं।